



**अॅग्रोमेट अँडवायझरी बुलेटीन**  
**ग्रामिण कृषि मौसम सेवा, ऐएमएफयु, कोल्हापूर**  
**विभागीय कृषि संशोधन केंद्र, शेंडा पार्क, कोल्हापूर**



दूरध्वनी : (०२३१) २६९२४१६

ईमेल: adrkolhapur@rediffmail.com

**हवामान अंदाजावर आधारित कृषी सल्ला समितीची साप्ताहिक बैठक दि. ०२.०९.२०२६**

**जिल्हा : सातारा**

| मागील आठवड्यातील हवामान<br>(२६.०८.२०२६ ते ०१.०९.२०२६) |    |    |    |    |    |    | हवामान घटक                   | पुढील पाच दिवसांचा हवामानाचा अंदाज<br>(०२.०९.२०२६ ते ०६.०९.२०२६) |       |       |       |       |
|-------------------------------------------------------|----|----|----|----|----|----|------------------------------|------------------------------------------------------------------|-------|-------|-------|-------|
| २६                                                    | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ०१ | दिनांक                       | ०२                                                               | ०३    | ०४    | ०५    | ०६    |
| -                                                     | -  | -  | -  | -  | -  | -  | पाऊस (मिमी)                  | ३                                                                | ४     | ६     | ७     | ५     |
| -                                                     | -  | -  | -  | -  | -  | -  | कमाल तापमान (अं.से.)         | ३०                                                               | ३०    | २९    | २९    | २९    |
| -                                                     | -  | -  | -  | -  | -  | -  | किमान तापमान (अं.से.)        | २२                                                               | २२    | २३    | २३    | २३    |
| -                                                     | -  | -  | -  | -  | -  | -  | ढग स्थिती (आकाश)             | ७                                                                | ८     | ८     | ७     | ५     |
| -                                                     | -  | -  | -  | -  | -  | -  | सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%)  | ८२                                                               | ८२    | ८५    | ८२    | ८१    |
| -                                                     | -  | -  | -  | -  | -  | -  | दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ७७                                                               | ७५    | ७६    | ७७    | ७७    |
| -                                                     | -  | -  | -  | -  | -  | -  | वाऱ्याचा वेग (किमी/तास)      | १०                                                               | १२    | १३    | ११    | ९     |
| -                                                     | -  | -  | -  | -  | -  | -  | वाऱ्याची दिशा                | प.                                                               | प.नै. | प.नै. | प.नै. | प.नै. |

**हवामान अंदाजावर आधारित कृषी सल्ला**

| पीक                    | अवस्था      | कृषि विषयक सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|------------------------|-------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| हवामान सारांश          |             | प्रादेशिक हवामान केंद्र, मुंबई यांचेकडून प्राप्त झालेल्या हवामान अंदाजानुसार सातारा जिल्ह्यामध्ये २, ३, ४, ५ व ६ सप्टेंबर रोजी आकाश सामान्यतः ढगाळ राहण्याची शक्यता आहे. सातारा जिल्ह्यातील घाट भागात २ ते ६ सप्टेंबर दरम्यान काही ठिकाणी हलक्या ते मध्यम स्वरूपाच्या पावसाची शक्यता आहे. मध्य व पूर्व भागात २ ते ६ सप्टेंबर दरम्यान तुरळक ठिकाणी हलक्या स्वरूपाच्या पावसाची शक्यता आहे. सातारा जिल्ह्यामध्ये ६ सप्टेंबर पर्यंत कमाल तापमान २९.० ते ३०.० अंश सेल्सिअस दरम्यान राहण्याची तसेच किमान तापमान २२.० ते २३.० अंश सेल्सिअस या दरम्यान राहण्याची शक्यता आहे. सकाळची सापेक्ष आर्द्रता ८१ ते ८५% या दरम्यान, दुपारची सापेक्ष आर्द्रता ७५ ते ७७% या दरम्यान राहण्याची तसेच वाऱ्याचा वेग ताशी ०९ ते १३ किमी या दरम्यान राहण्याची शक्यता आहे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| विस्तारित श्रेणी अंदाज |             | विस्तारित श्रेणीच्या अंदाजानुसार मध्य महाराष्ट्रामध्ये दिनांक ४ ते १० सप्टेंबर दरम्यान पावसाचे प्रमाण सरासरी दरम्यान राहण्याची, कमाल तापमान सरासरी पेक्षा जास्त राहण्याची तसेच किमान तापमान सरासरी पेक्षा जास्त राहण्याची शक्यता आहे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| सामान्य सल्ला          |             | <ul style="list-style-type: none"> <li>शेतकरी बांधवांनी हवामान आधारित शेतीविषयक सल्ला आपल्या अँड्रॉइड मोबाईलवर मिळविण्यासाठी गुगल प्ले स्टोअर वरून "मेघदूत" अँड्रॉइड ॲप्लिकेशन तर मेघगर्जना व विजांचा कडकडाट इ.च्या अंदाजासाठी "दामिनी" अँड्रॉइड ॲप्लिकेशन डाउनलोड करावे व त्याचा वापर करावा.</li> <li>कीटकनाशके व बुरशीनाशकांची फवारणी पावसाची उघडीप पाहून आणि वारा शांत असताना करावी.</li> <li>मध्य व पूर्व भागातील शेतकरी बांधवांनी खरीप पिकांच्या वाढीच्या महत्वाच्या अवस्थेत पाण्याचा ताण टाळण्यासाठी संरक्षित पाणी घ्यावे.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
| संदेश                  |             | <ul style="list-style-type: none"> <li>जिल्ह्याच्या मध्य व पूर्व भागातील शेतकरी बांधवांनी जमिनीमध्ये ओलावा टिकवून ठेवण्यासाठी खरीप पिकांमध्ये आच्छादनांचा वापर करावा</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
| भात                    | फुटवे फुटणे | <ul style="list-style-type: none"> <li>भात पिकाच्या वाढीच्या अवस्थेनुसार भात खाचरातील पाण्याची पातळी अधिक फुटव्याच्या अवस्थेत ५ ते ७.५ सें. मी. ठेवावी</li> <li>भात पिकासाठी रसायनिक खत मात्रा देण्यासाठी युरिया अर्धा किलो प्रति गुंठा या प्रमाणात द्यावा (२५ ते ३० दिवसांनी)</li> <li>फुले मायक्रोन्यूट्रियंट ग्रेड २ याची ४० मिलि प्रति पंप याप्रमाणात फवारणी करावी (२५ दिवसांनी)</li> <li>पुर्नलागवडीनंतर खोडकिडीचा प्रादुर्भाव दिसून येताच म्हणजे साधारणतः ५ टक्के कीडग्रस्त काड्या किंवा सरासरी एक अंडीपुंज प्रति चौ.मी. शेतात आढळून आल्यास फिप्रोनिल ५ एस.सी. २० मि.ली. किंवा फ्ल्युबेन्डॅमाईड ३९.३५ एस.सी. १.० मि.ली. प्रति १० लिटर पाण्यातून फवारणी करावी. खोडकिडीच्या जैविक नियंत्रणासाठी ट्रायकोग्रामा जापोनिकम या प्रजातीचे १ लाख प्रौढ प्रति हेक्टर आठवड्याचे अंतराने पीक लागवडीनंतर एक महिन्यांनी चार वेळा प्रसारित करावे.</li> <li>पाने गुंडाळणाऱ्या अळीचा प्रादुर्भाव दिसून आल्यास क्लोरॅन्ट्रॅनिलीप्रोल १८.५ एस.सी. ३.० मि.ली. किंवा फ्ल्युबेन्डॅमाईड ३९.३५ एस.सी. १.० मि.ली. प्रति १० लिटर पाण्यातून फवारणी करावी.</li> </ul> |
| मका                    | शाकिय वाढ   | <ul style="list-style-type: none"> <li>मध्य व पूर्व भागातील शेतकरी बांधवांनी पीक फुलोऱ्यामध्ये येण्यापूर्वी संरक्षित पाणी घ्यावे</li> <li>मका पेरणीस ४० ते ४५ दिवस झाले असल्यास नत्र खताचा हप्ता देण्यासाठी युरिया ३५ किलो प्रति एकरी या प्रमाणात द्यावा त्यानंतर ४ ते ५ दिवसांनी फुले मायक्रोन्यूट्रियंट ग्रेड २ याची ५ ते ७ मिलि प्रति पाणी याप्रमाणात फवारणी करावी</li> <li>मक्याच्या मध्यम ते शेवटच्या पोंगा या वाढीच्या अवस्थेत लष्करी अळीचा १० ते २०% प्रादुर्भाव आढळल्यास खालीलपैकी एका कीटकनाशकाचा आलटून पालटून वापर करावा. (प्रमाण प्रति १० लिटर पाणी)</li> <li>१. आयसोसायक्लोसिरम १८.१% एस सी (६ मिली) किंवा</li> <li>२. स्पीनेटोरम ११.७% एस सी (५ मिली) किंवा</li> <li>३. ब्रोफ्लानीलीड २०.०% एस सी (२.५ मिली) किंवा</li> <li>४. फ्लुबेन्डायअमाईड २०.०% डब्ल्यू जी (५ ग्रॅम) किंवा</li> <li>कीटकनाशकांचा वापर चारा पिकावर करू नये. प्रतीक्षा कालावधीचे पालन करावे.</li> </ul>                                                                                                                                                        |
| ऊस                     | शाकिय वाढ   | <ul style="list-style-type: none"> <li>सुरू ऊसास २% युरिया किंवा २% डी.ए.पी. किंवा २% १९:१९:१९ यापैकी एक फवारणी घ्यावी</li> <li>आठवडे झाले असल्यास युरिया ०.२० किलो प्रति एकर याप्रमाणात द्यावा</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |



**अॅग्रोमेट अँडवायझरी बुलेटीन**  
**ग्रामिण कृषि मौसम सेवा, ऐएमएफयु, कोल्हापूर**  
**विभागीय कृषि संशोधन केंद्र, शेंडा पार्क, कोल्हापूर**



दूरध्वनी : (०२३१) २६९२४१६

ईमेल: [adrkolhapur@rediffmail.com](mailto:adrkolhapur@rediffmail.com)

|         |                       |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
|---------|-----------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|         |                       | पावसाची उघडीप पाहून अँझोऑक्सीस्ट्रॉबीन १८.२ % + डायफेनकोन्याझोल ११.४% एस.सी. ०.१% १० मिलि प्रति १० लीटर पाणी याप्रमाणात फवारणी करावी<br>➤ वाढलेली आद्रता व कमाल तापमानामध्ये झालेली वाढ यांमुळे ऊसावर काही ठिकाणी लोकरा मावा व पायरीला या रसशोषक किडींचा प्रादुर्भाव दिसून येत आहे. प्रादुर्भाव दिसून येताच व्यवस्थापनासाठी क्लोरपायरीफॉस २०% ई. सी. ३० मिलि प्रति १० लीटर पाणी किंवा अँसिफेट ५०% + इमिडाक्लोप्रिड १.८०% एस.पी. या संयुक्त कीटकनाशकाची ५० मिलि प्रति १० लीटर पाणी याप्रमाणात मिसळून फवारणी करावी                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| सोयाबीन | फुलोरा ते शेंगा भरणे  | ➤ वाढलेली आद्रता व कमाल तापमान यांमुळे पानांवरील व शेंगांवरील करपा रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून येत आहे. नियंत्रणासाठी टेव्युकोनाझोल १०% + सल्फर ६५% डब्ल्यू.जी. २५ ग्रॅम किंवा टेव्युकोनाझोल २५.९% ई.सी. १२.५ मि.ली. प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.<br>➤ पेरणीनंतर ६० ते ६५ दिवस झाले असल्यास फुले मायक्रोन्यूट्रियंट ग्रेड दोन ५ मिलि प्रति लीटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी<br>➤ काही ठिकाणी हलक्या स्वरूपाचा पाऊस, कमाल तापमानातील वाढ आणि वाढलेली आद्रता यांमुळे पाने खाणारी अळीचा (स्पोडोप्टेरा) प्रादुर्भाव दिसून येत आहे. नियंत्रणासाठी पुढील उपाययोजना कराव्यात<br>➤ आर्थिक नुकसान पातळी: १० अळ्या/मीटर ओळीत पीक फुलोऱ्यात येण्यापूर्वी<br>➤ प्रतिबंधात्मक उपाय: पिकामध्ये हेक्टरी ५ याप्रमाणे स्प्रीडोप्लुरचा वापर करून फिरोमोन सापळे लावा<br>➤ नियंत्रण: फ्लूवेंडामाईड २० % डब्ल्यू.जी. ६ ग्रॅम अथवा फ्लूवेंडामाईड ३९.३५% एसी ३ मिली अथवा इंडोक्झाकार्ब १५.८० % ई.सी. ६ मिली अथवा स्पिनेटोरम ११.७०% एस.सी. १० मिली प्रति १० लिटर पाणी या प्रमाणे फवारणी करावी.<br>➤ मध्य व पूर्व भागातील शेतकरी बांधवांनी संरक्षित पाण्याची उपलब्धता करावी |
| भुईमूग  | फुलोरा ते आल्या सुटणे | ➤ सततचा पाऊस आणि हवेतील जास्त आद्रता यामुळे भुईमूग पिकावर टिक्का आणि तांबेरा या रोगांचा प्रादुर्भाव होऊ शकतो. प्रादुर्भाव दिसून येताच नियंत्रणासाठी फ्ल्यूवेनडामाईड ३.५% + हेक्झाकोनॅझोल ५% डब्ल्यू. जी. २५ ग्रॅम १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
| मूग     | शेंगा भरणे ते पक्वता  | ➤ पावसाची उघडीप पाहून पक्क झालेल्या शेंगांची वेळेत काढणी करावी. काढणी उशिरा केल्यास पक्क झालेल्या शेंगा तडकतात.<br>➤ पावसाची शक्यता असल्याने काढणी केलेल्या शेती मालाची सुरक्षित ठिकाणी साठवणूक करावी. (मध्य व पूर्व भाग)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
| उडीद    | शेंगा भरणे ते पक्वता  | ➤ पावसाची उघडीप पाहून पक्क झालेल्या शेंगांची वेळेत काढणी करावी. काढणी उशिरा केल्यास पक्क झालेल्या शेंगा तडकतात.<br>➤ पावसाची शक्यता असल्याने काढणी केलेल्या शेती मालाची सुरक्षित ठिकाणी साठवणूक करावी. (मध्य व पूर्व भाग)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
| हळद     | कंद वाढीची            | ➤ मागील आठवड्यामध्ये ढगाळ तसेच आदरतायुक्त हवामान यामुळे कंदमाशीचा प्रादुर्भाव दिसून येत आहे. अळ्या उघड्या गड्ड्यामध्ये शिरून कंदावर उपजिविका करतात. अशा गड्ड्यामध्ये नंतर रोगकारक बुरशी तसेच सूत्रकृमिची शिरकाव होतो. त्यामुळे खोड व गड्डे मऊ होतात व त्यांना पाणी सुटून ते कुजतात.<br>➤ नियंत्रण : वेळेवर भरणी करावी. हेक्टरी ६ नग माती अथवा प्लॅस्टिकची पसरट भांडी वापरून प्रत्येक भांड्यात भरडलेले एरंडीचे बी २०० ग्रॅम + १.५ लिटर पाणी घ्यावे. ८ ते १० दिवसांनी या मिश्रणातून वास बाहेर निघू लागल्यावर कंदमाशी आकर्षित होऊन मरू लागतात. सदरची उपाय योजना अत्यंत प्रभावी, कमी खर्चिक व सहजरित्या करता येण्यासारखी असल्याने सेंद्रिय हळद उत्पादनामध्ये उपयुक्त आहे. या उपाययोजनेमध्ये अळ्यांकडून कंदाचे नुकसान करण्या अगोदरच कंदमाशा मरत असल्याने विशेष प्रभावी आहे                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| पशुधन   | वाढीची                | ➤ गाभण गायींना अतिरिक्त १ किलो खुराक गर्भधारणेच्या ८ व्या महिन्यापासून तसेच म्हशींना अतिरिक्त १ किलो खुराक गर्भधारणेच्या ९ व्या महिन्यापासून द्यावा<br>➤ म्हशी, गार्ई, शेळ्या व मेंढया यांमध्ये तज्ञ पशुवैद्यकाच्या सल्ल्याने जंतनिर्मूलन करून घ्यावे<br>➤ प्रत्येक गायीला दररोज ५० ग्रॅम खनिज मिश्रण द्यावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
| मेघदूत  |                       | अँप्लिकेशन डाउनलोड करण्यासाठी स्कॅन करावे<br>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| दामिनी  |                       | अँप्लिकेशन डाउनलोड करण्यासाठी स्कॅन करावे<br>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |

स्रोत १) हवामान पूर्वानुमान : प्रादेशिक हवामान पूर्वानुमान केंद्र, मुंबई.

ठिकाण : कोल्हापूर

दि. : ०१.०९.२०२६

स्वाक्षरीत

प्रमुख अन्वेषक, ग्राकृमौसे, ऐएमएफयु, कोल्हापूर तथा

सहयोगी संशोधन संचालक,

विभागीय कृषि संशोधन केंद्र , कोल्हापूर